राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–**pr.rajbhavan@gmail.com**
prrajbhavanbihar@gmail.com
मोबाईल–9431283596

प्रेस–विज्ञप्ति

भारतीय सांस्कृतिक पुनर्जागरण में बिहार अग्रणी भूमिका निभायेगा–राज्यपाल

पटना, 28 सितम्बर 2018

''आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय की स्थापना का उद्देश्य बिहार के शिक्षा जगत् में सकारात्मक परिवर्तन लाने के साथ–साथ, यहाँ के विद्यार्थियों के चरित्र एवं बौद्धिक स्तर को ऊँचा उठाना भी रहा है। यह एक जीवंत और आदर्श ज्ञान विश्वविद्यालय के रूप में इस राष्ट्र के साथ–साथ सम्पूर्ण मानव सभ्यता के विकास में सहायक बने –हमारा यही प्रयास होना चाहिए। भारतवर्ष सांस्कृतिक पुनर्जागरण के दौर से गुजर रहा है। ऐसे में बिहार भी अपनी प्राचीन सांस्कृतिक एवं शैक्षिक समृद्धि का सादर स्मरण करते हुए राष्ट्रीय नव–निर्माण में अग्रणी भूमिका निभायेगा।'' –उक्त उद्‌गार, महामहिम राज्यपाल–सह–कुलाधिपति श्री लाल जी टंडन ने आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना के '5वें दीक्षांत–समारोह' में मुख्य अतिथि के रूप में दीक्षांत–भाषण देते हुए व्यक्त किये।

राज्यपाल श्री टंडन ने कहा कि विश्वविद्यालय अपनी परिकल्पना एवं आधुनिक युग की जरूरतों के अनुरूप, शिक्षण को 'क्लासरूम' तथा 'लैब' से निकाल कर उपयोगिता के वास्तविक धरातल पर लाने के लिए प्रयास आरम्भ करे, ताकि प्रचलित एवं नवीन व्यवसाय तथा जीविका के साधन, यथा–खेती, व्यापार, चिकित्सा, अभियंत्रण, शिक्षण इत्यादि को लोगों की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित किया जा सके। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय–शिक्षा को नये औद्योगिक जगत् की जरूरतों के अनुरूप बनाना आवश्यक है। यह प्रशंसनीय है कि विश्वविद्यालय उच्चतर शिक्षा को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाने हेतु प्रयत्नशील है।

राज्यपाल ने कहा कि आज छात्रों को कौशल–विकास के साथ–साथ, सामाजिक मूल्यों एवं नैतिक उत्थान पर भी ध्यान देने की जरूरत है, तभी समाज एवं देश की तरक्की समग्र रूप से संभव हो सकेगी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी भौतिक विकास के साथ–साथ, न्याय, समानता, समरसता एवं मानवीय करूणा को अपनाकर अपने चरित्र–निर्माण का प्रयास करें। शिक्षा का सर्वोच्च उद्देश्य चरित्र–निर्माण ही है। स्वामी विवेकानंद को उद्धृत करते हुए उन्होंने कहा कि–''हमें ऐसी शिक्षा की आवश्यकता है, जिससे चरित्र–निर्माण हो, मानसिक शक्ति बढ़े, बुद्धि विकसित हो और देश के युवक अपने पैरों पर खड़ा होना सीखें।'' राज्यपाल ने डिग्री प्राप्तकर्त्ता विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि आप सेवा के जिस किसी भी क्षेत्र में जाएँ, वहाँ अपनी प्रतिभा की अमिट छाप छोड़ें। देश और समाज को आपसे काफी उम्मीदें हैं। भारत के नव–निर्माण तथा इसे विश्व में एक महाशक्ति के रूप में पुनः प्रतिष्ठित करने की जिम्मेवारी अब आपके ही मजबूत कंधों पर है।

आगे पृष्ठ....2 पर

श्री टंडन ने कहा कि आज व्यक्ति का संपूर्ण जीवन प्रतिस्पर्धाओं से भरा हुआ है। आज आवश्यकता है कि इन प्रतिस्पर्धाओं को सहज रूप में ग्रहण कर, तनावमुक्त रहते हुए सकारात्मक दृष्टिकोण से जीवन में सतत आगे बढ़ा जाये।

राज्यपाल ने कहा कि यह विश्वविद्यालय अपने सामाजिक दायित्वों को भी बखूबी समझ रहा है, यह संतोष की बात है। 'स्वच्छता अभियान' तथा 'हर परिसर –हरा परिसर' कार्यक्रम के जरिये राज्य में 'हरित आवरण' बढ़ाने में यह विश्वविद्यालय तथा इससे संबद्ध अन्य महाविद्यालय भरपूर सहयोग कर रहे हैं, यह प्रशंसनीय है। राज्य सरकार के 'शराबबंदी' अभियान के प्रचार–प्रसार में भी विश्वविद्यालयों की महत्त्वपूर्ण सहभागिता रही है। उन्होंने कहा कि 'दहेज विरोधी अभियान' में भी युवाओं को उत्साहपूर्वक आगे आना चाहिए।

राज्यपाल श्री टंडन ने कहा कि कदाचार–मुक्त परीक्षाओं के आयोजन, ऑनलाईन पंजीकरण, ऑनलाईन परीक्षा फार्म भरने, ऑनलाईन एडमिट कार्ड–वितरण, ऑनलाईन उपस्थिति दर्ज करने, ऑनलाईन मार्क्स–शीट उपलब्ध कराने तथा ऑनलाईन डिजिटल–मूल्यांकन आदि सुनिश्चित कराने के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति एवं उनकी पूरी टीम को धन्यवाद दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिक्षा मंत्री श्री कृष्णनंदन प्रसाद वर्मा ने कहा कि राज्य सरकार माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में उच्च शिक्षा के विकास हेतु संकल्पित है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा में सुधार–प्रयासों को और तेज किया जाएगा।

समारोह को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्री मंगल पाण्डेय ने कहा कि राज्य में दीक्षांत–समारोहों के परिधान–में हुए परिवर्त्तन से भारतीय संस्कृति की झलक मिल रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे निर्णयों से राष्ट्रीयता की भावना सशक्त होती है। मंत्री ने मेडिकल की डिग्रियाँ हासिल करनेवाले विद्यार्थियों से अनुरोध किया कि वे अपनी चिकित्सा–सेवा के जरिये सुदूरवर्त्ती ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबों को लाभान्वित करें। उन्होंने कहा कि राज्य में आगामी 4–5 वर्षों में 11 नये मेडिकल कॉलेज खुलेंगे, जिनके शिलान्यास शीघ्र हो जाएँगे।

राज्यपाल–सह–कुलाधिपति ने सभी स्वर्णपदक–प्राप्त विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल, उपाधि एवं प्रमाण–पत्र प्रदान किए। 15 स्वर्णपदक प्राप्तकर्त्ता विद्यार्थियों में 10 छात्राएँ थीं। राज्यपाल ने कहा कि बेटियों का शिक्षा क्षेत्र में श्रेष्ठ प्रदर्शन हमारे देश और समाज के लिए शुभ है।

समारोह में कुलपति श्री ए॰के॰ अग्रवाल ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का सविस्तार उल्लेख किया। कार्यक्रम में प्रतिकुलपति प्रो॰ एस॰एम॰ करीम एवं कुलसचिव श्री राजीव रंजन भी उपस्थित थे।

.....